

**Participants :** [Kumar Shri Shailendra](#), [Majhi Shri Shankhlal](#), [Budholiya Shri Rajnarayan](#)

an>

**Title :** Discrimination in distribution of Power to Northern India.

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल) : माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे स्पेशल मैन्शन में बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान उत्तर प्रदेश में विद्युत की कमी की ओर दिलाना चाहता हूँ। उत्तर प्रदेश में विद्युत की मांग लगभग 7500 मेगावाट है और वहाँ हमेशा 2000 से लेकर 2500 मेगावाट की कमी बनी रहती है। उत्तर भारत के किसी भी राज्य में बिजली की इतनी कमी नहीं है, जितनी उत्तर प्रदेश में है। केन्द्र सरकार अन्य राज्यों को बिजली दे रही है, लेकिन उत्तर प्रदेश के साथ सौतेलेपन का व्यवहार अपना रही है और इसमें अपनी तरफ से कोई मदद नहीं कर रही है। उत्तर प्रदेश को 3250 मेगावाट की जगह केवल 2200 मेगावाट बिजली ही प्राप्त हो रही है, जबकि कटौती के नाम पर पूरे उत्तर प्रदेश के शहरों में 12 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में 14 से 15 घंटे की कटौती हो रही है। उत्तर प्रदेश सरकार केन्द्र से रोजाना 25 से 30 करोड़ रुपये की बिजली खरीद कर अपने प्रदेश में सप्लाई कर रही है। यही नहीं केन्द्र के सौतेलेपन के व्यवहार की यह हालत है कि केन्द्र ने केन्द्रीय विद्युत नियामक आयोग में याचिका दाखिल कराकर उत्तर प्रदेश पर एक लाख रुपये का जुर्माना कराया है। जो बहुत अशोभनीय, निन्दनीय है। इससे साफ जाहिर होता है कि केन्द्र सरकार उत्तर प्रदेश के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। जबकि पंजाब को पांच सौ मेगावाट, हरियाणा को तीन सौ मेगावाट और दिल्ली को डेढ़ हजार मेगावाट विद्युत की सप्लाई केन्द्र सरकार कर रही है। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा हृदय प्रदेश है और वहाँ केवल सौ मेगावाट बिजली की सप्लाई दी जा रही है। यह अपने आपमें बहुत निन्दनीय है। मैं इसकी भर्त्सना करता हूँ और आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से मांग करता हूँ कि वह इस ओर विशेष ध्यान दे।

महोदय, यही नहीं उत्तर प्रदेश को जो सौ मेगावाट बिजली दी जा रही है, उसके रेट सात से साढ़े सात रुपये प्रति यूनिट केन्द्र सरकार ले रही है, जबकि अन्य प्रदेशों को चार रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली दी जा रही है। हमारी मांग है कि जिन दरों पर अन्य राज्यों को बिजली दी जा रही है, उसी दर पर उत्तर प्रदेश को भी बिजली दी जाए। इस बात से साफ झलकता है कि केन्द्र सरकार उत्तर प्रदेश के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से गुजारिश करता हूँ कि केन्द्र सरकार उत्तर प्रदेश की तरफ विशेष ध्यान दे। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा प्रदेश है तथा हृदय प्रदेश है। यदि उत्तर प्रदेश का विकास नहीं होगा तो देश का विकास भी नहीं हो सकता। चूंकि विद्युत सप्लाई ऐसा विय है, जो देश और प्रदेश की इकोनोमी और उनके विकास से जुड़ा हुआ है। इसलिए हमारी मांग है कि केन्द्र सरकार इस ओर तुरंत ध्यान न[[R71](#)]।

श्री शंखलाल माझी (अकबरपुर) : सभापति महोदय, मैं श्री शैलेन्द्र कुमार जी के विचारों के साथ अपने आप को एशोसिएट करता हूँ।

श्री राजनारायन बुधौलिया (हमीरपुर, उ.प्र.) : सभापति महोदय, मैं भी श्री शैलेन्द्र कुमार जी के विचारों के साथ अपने आप को एशोसिएट करता हूँ।